E-Book

" सखी केंद्र - बुजुर्ग महिलाओं की हिम्मत"

WEBSITE

https://www.sakhikendra.com/

APP

https://m.sakhikendra.com/

Sakhi Kendra

71 HIG KDA Colony, E-Block,
Shyam Nagar,
Kanpur - 13
Mob. 9336115763

WAY TO SAKHI KENDRA

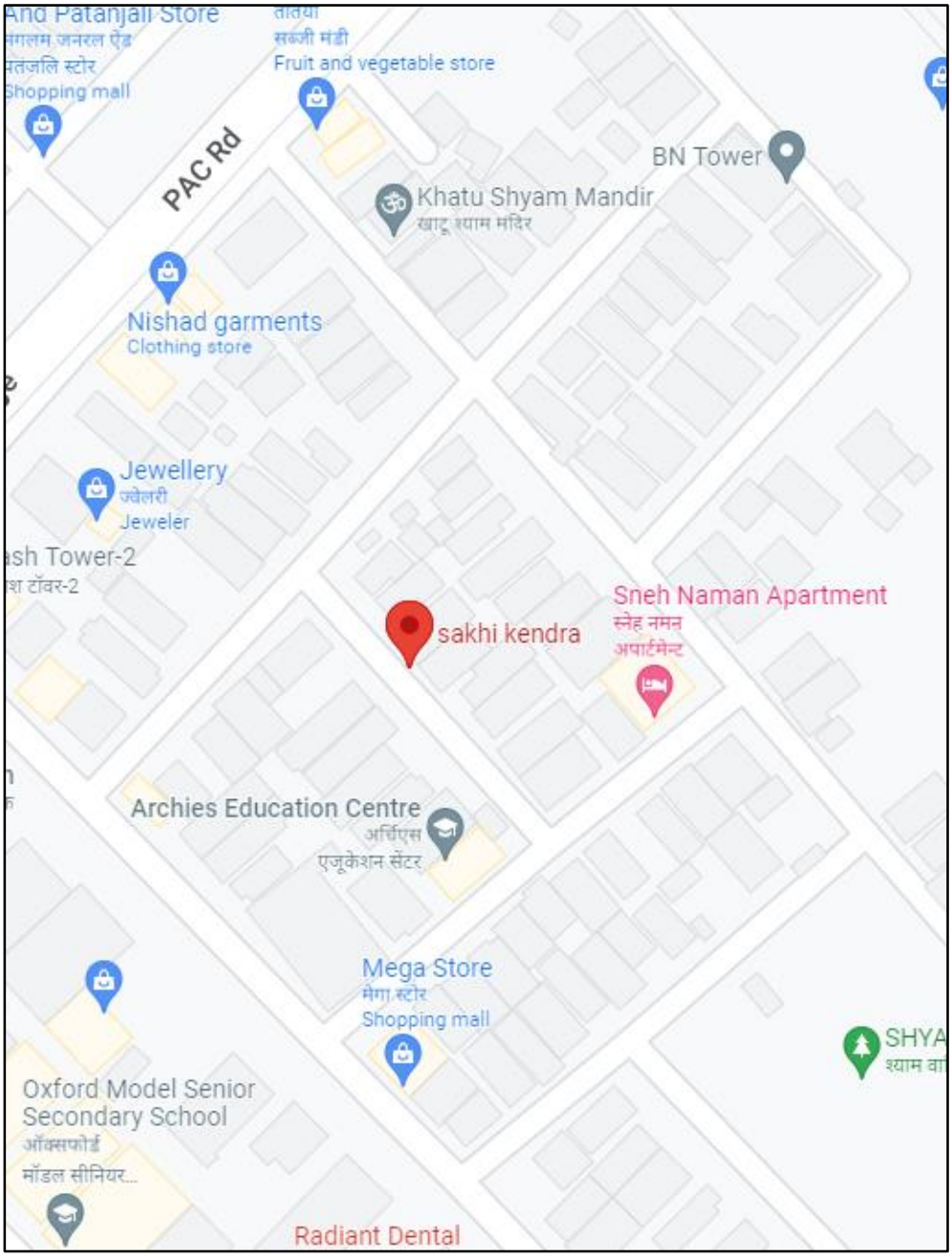

सखी केंद्र
"बुजुर्ग महिलाओं की हिम्मत"

वर्तमान समय में भी वृद्ध स्त्रियों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। वृद्ध स्त्रियों के जनांकिकीय आंकड़ें उठाकर देखें तो ज्ञात होता है कि संपूर्ण वृद्ध जनसंख्या में वृद्ध स्त्रियों की संख्या अधिक रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार 104 मिलियन वृद्धजन हैं, जिसमें 53 मिलियन वृद्ध स्त्रियां है।

अभी हाल ही में नेशनल स्टैटिक्स आर्गेनाईजेशन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि 2031 में बुजुर्गों की संख्या 19.38 करोड़ पर पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 9.29 करोड़ वृद्ध पुरुष और 10.09 करोड़ वृद्ध स्त्रियां शामिल होंगी। वर्तमान में वृद्ध जनसंख्या में

लिंगानुपात प्रति 1000 वृद्ध पुरुषों पर 1065 वृद्ध स्त्रियां हैं।

इस प्रकार आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि संपूर्ण वृद्ध जनसँख्या में वृद्ध स्त्रियों की जनसँख्या अधिक है और इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। साथ ही यह भी औरतत्व है कि वृद्ध स्त्रियों में वृद्ध विधवा स्त्रियों की संख्या अधिक है।

60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में उसी वर्ग के पुरूषों की अपेक्षा वैधव्य की घटना कहीं अधिक है। इसका स्पष्ट कारण है– महिलाओं का अपने से कई वर्ष बड़े पुरूषों के साथ विवाह और फिर पति के मृत्यु के बाद उनका पुनर्विवाह नहीं होना। वे अधिक दिनों तक जीवित भी रहती है। सन 1991 में 1.48 करोड़ विधवाएँ 60 वर्ष से अधिक आयु की थी, परंतु मात्र 45 लाख विधुर (पुरूष) थे। अर्थात विधुरों की तुलना में विधवाओं की संख्या कहीं अधिक थी।

वृद्ध स्त्रियों की बढ़ती जनसंख्या की समस्या के साथ ही अगर वृद्ध स्त्रियों की सामाजिक सुरक्षा की अगर बात की जाए तो शहरों में वृद्ध स्त्रियों की सुरक्षा का आलम यह है कि आए दिन शहरों के किसी न किसी इलाके में अपराधियों द्वारा वृद्ध महिलाओं की हत्याऐ की जा रही हैं। अभी हाल ही में फरवरी 2022 में तिलक नगर क्षेत्र में एक 87 वर्षीय वृद्ध महिला के साथ कथित तौर पर रेप का मामला सामने आया था। इसी तरह जनवरी 2022 में अंबेडकर नगर में मकान

के विवाद में एक वृद्धा की उसके ही बेटों–बहू और

परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा लात–घूसों से पीट–पीट कर हत्या कर दी गई / गत माह पूर्व लखनऊ के केशवनगर में रहने वाली विधवा वृद्ध महिला को जायदाद के लिए उनकी ही खुद की बेटी द्वारा जहर देकर मार दिया गया और इस मामले को एक हादसे का रूप देने का प्रयास किया गया।

कोविड–19 और संबंधित लॉकडाउन और प्रतिबंधों ने लगभग हर इंसान को प्रभावित किया है, लेकिन बुजुर्ग अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं।

लगभग 53 प्रतिशत बुजुर्ग ने बताया कि महामारी और संबंधित मुद्दों के कारण उनके मानवाधिकार प्रभावित हुए हैं। 81 प्रतिशत बुजुर्गों ने शिकायत की कि बुजुर्गों के मानवाधिकारों की खराब स्थिति पीढ़ी दर पीढ़ी लगातार बढ़ रहा है।

20 प्रतिशत बुजुर्गों ने दावा किया कि उन्होंने कोविड के दौरान मुद्रास्फीति के कारण अपनी बचत या निवेश खो दिये।

इनमे सबसे बुरी तरह प्रभावित बुजुर्ग महिलाएं हैं, जिनकी खराब वित्तीय स्थिति, निर्भरता में वृद्धि और बुजुर्ग पुरुषों की तुलना में लंबी उम्र उत्पीड़न के कारण बने हैं।

सखी केंद्र महिलाओं के ऊपर हो रहे जुल्म उत्पीड़न और हिंसा से निपटने के लिए गैर बराबरी दूर कर जेंडर इक्वलिटी का माहौल बनाने का लगातार 40 वर्षों से शिद्दत और समर्पण के साथ प्रयास कर रहा है अब तक लगभग 41025 से अधिक महिलाओं की समस्याओं के उत्पीड़न और हिंसा कि मामले देख जा चुके है और 24360 केस हल हो चुके है। इनमें वृद्ध महिलाओं पर हो रहे उत्पीड़न वा हिंसा के 5000 से अधिक मामले रहे हैं।

सखी केंद्र पिछले 40 वर्षों से जहां एक ओर इनकी बस्ती, हायशी एरिया की बुनियादी जरूरतों (बिजली पानी नाली गंदगी की समस्या गरीब और जरूरतमंदों

को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना व तमाम प्रशिक्षण के द्वारा जीविकोपार्जन के साथ–साथ उन्हें हर तरह से सक्षम और सशक्त बनाने) का कार्य कर उन्हें मदद कर रहा है वहीं दूसरी तरफ उनकी घर के अंदर समाज में या कार्यस्थल पर कहीं पर भी उन पर किसी भी तरह का जुल्म उत्पीड़न या हिंसा हो रही है तो उनकी समस्याएं दूर करना उन्हें न्याय प्रक्रिया से जोड़ना, उन्हें न्याय दिलाने में मदद करना और उन्हें पीड़िता से अचीवर बनाना ताकि वे अपनी समस्याएं कैसे दूर गई गई है उसे समझते हुए और प्रशिक्षण लेते हुए दूसरों की भी समस्याएं दूर कर सकें।

सखी केंद्र लगातार महिलाओं पर हो रही हिंसा को कम करने के लिए समाज में काम करता रहा है। लाकडाउन के दौरान 1 साल में 100 से 200 के बीच बुजुर्ग महिलाओं के मामले आये हैं। सखी केंद्र लगातार उनके साथ काउंसलिंग करके पुलिस के माध्यम से या बहुत से मामले न्यायिक प्रक्रिया से जोड़ने का कार्य करते रहे हैं और उन्हें न्याय दिलाने की मदद करते रहे हैं। कोविड–19 की पहली लहर लॉकडाउन के दौरान बस्ती और गांव में हमारी लीडर्स और

कोऑर्डिनेटर्स ने 5000 से ज्यादा बुजुर्ग महिलाओं की घरों में खाने का इंतजाम किया और 75 उन बुजुर्ग महिलाओं के लिए जो बढ़–चढ़कर दूसरों की मदद कर रही थी लेकिन उनके घरों में भी खाने को नहीं था 2 महीने का राशन, तेल, शक्कर, साबुन आदि का इंतजाम किया।

कोविड–19 की दूसरी लहर में जब हालात बहुत सारा खराब थे और बुजुर्ग महिलाओं की स्थिति और भी ज्यादा बदतर थी तब 145 बुजुर्ग महिलाओं के अकाउंट में उनकी जरूरत के हिसाब से 2000, 5000, 10000 रुपए ट्रांसफर किए ताकि वे अपने घर में खाना दवाइयां ला सके और 35 वृद्ध महिलाओं ने उन्हीं पैसे से अपनी दवा घर में भोजन आदि का इंतजाम के साथ–साथ जीवनयापन की व्यवस्था भी की। किसी ने सब्जी की

दुकान, परचून की दूकान, फूलों का तमाम तरह का काम शुरू किया।

इस तरह हमारी टीम ने बुजुर्ग लोगों की रात दिन सिद्धत से सेवा की किसी को अस्पताल में एडमिट कराना, तो किसी और को ऑक्सीजन का प्रबंध करना, किसी के पास दवाइयां पहुंचाना, ऑनलाइन डॉक्टर्स की सलाह दिलवाना अधिक से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन कराना, डिप्रेशन, तनाव में वा टूट रहे लोगों की काउंसलिंग की गई

टीम वृद्ध महिलाओं की हर स्तर पर हर तरह से मदद करती आ रही है।अब तक लगभग 4000 से अधिक बुजुर्गों को व्हीलचेयर बैसाखी छड़ी चश्मा कान की मशीनें आदि एलिम्को विकलांग भवन आदि तमाम

योजनाओं के तहत दिलवाया गया। सखी केंद्र उनकी हर स्तर पर मदद के साथ–साथ बुजुर्गों के अधिकारों के लिए भी लोगों को जागरूक करता है और सभी महिलाओं के साथ–साथ उनमें भी नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए तमाम तरह की ट्रेनिंग देता है ।

बुजुर्गो के उत्पीड़न के मामले में एक बात गम्भीरता से विचारणीय है कि अधिकतर मामलों में उनके अपनों के ही द्वारा जुल्म और सताए जाने के मामले रहते है।

यहां सबसे दर्दनाक यह होता है जिन अपनों को और अपने परिवार को सवारने में उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी लगा दी और वही उनकी पूरी दुनिया रही।

जिंदगी के अंतिम पड़ाव मे उनके खिलाफ या उन्हें छोड़कर जाना उनके लिए सबसे कठिन होता है।

पहली बात तो यह है कि जब उनके लिए जुल्म असहनीय हो जाता है तभी वह कोई कदम उठाती है। उनकी शिकायत पर अगर घर परिवार वाले उन्हें थोड़ी सी भी सांत्वना देते हैं या समझाते हैं तो वे बहुत ही जल्द अपनी शिकायत वापस ले लेती है। इसीलिए पुलिस स्टेशन में उनकी शिकायत भी जल्द दर्ज नहीं की जाती परिवार के सदस्यों के खिलाफ शिकायत करने में उनके सामने धर्मसंकट होता है कि वे जाएं कहां और बाहरी लोगों के खिलाफ शिकायत करने में उन्हें बहुत डर लगता है। इसी करण वृद्ध महिला न आर्थिक रूप से मजबूत होती है और ना ही इतनी ऊर्जावान की लगातार अपने केस की सुनवाई और एडवोकेसी कर सकें सच बात तो यह है कि न्याय उनकी पहुंच में ही नहीं है। इसीलिए सखी केंद्र लगातार उनकी मदद करता है। उनकी समस्या की गंभीरता को देखते हुए सखी केंद्र में एक अलग सेल की स्थापना की गई – लीगल एड क्लिनिक फॉर ओल्ड एज विमेन एवं टेली लीगल एज फॉर ओल्ड एज विमेन।

साथ ही सखी केंद्र का सपोर्ट नेटवर्क ऐप भी है। इन के माध्यम से किसी भी वृद्ध महिला के ऊपर किसी

भी तरह का जुल्म उत्पीड़न या हिंसा हो रही है तो तुरंत मदद की जाएगी। यह फोन नंबर भी शिकायत के लिए उपलब्ध – 09336785224, 9336123744, 9369988234, 9580048985, 9793658800) है।

इस दिशा में कानूनी विशेषज्ञ वरिष्ठ एडवोकेट श्री राधा कृष्ण पांडे जी एवं नीलम चतुर्वेदी जी के निर्देशन के और कानूनी विशेषज्ञों और अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ताओं की देखरेख में सशक्त टीम गठित की गयाी है। सखी केन्द्र को इस टीम से बहुत अपेक्षाएं है।

DIDI - A Documentary Based on the Women who live for others

https://www.youtube.com/watch?v=LvkEIpiKTeA&t=3s

Quiet Pandemonium

https://www.youtube.com/watch?v=apfGK1MvrzY

Sakhi Kendra's Work During COVID 19 Pendamic The Guardian

https://www.youtube.com/watch?v=6T0_gwDFCM8

Sakhi Kendra's Work During COVID 19 Pandemic Covered by The British Podcast

https://www.youtube.com/watch?v=A2T6ZM2cfsQ

IPPL Kanpur - Green Park –

Organised by Sakhi Kendra and ICFD

https://www.youtube.com/watch?v=OfHMNenzy4M

-: CONNECT WITH US :-

- https://www.facebook.com/neelam.chaturvedi.146

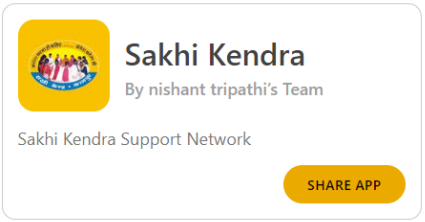

Scan to Install

- **m.sakhikendra.com**
- Contact No.
  - ✓9336115763
  - ✓7408114433
  - ✓8318148775
  - ✓6393696353
- Email
  - ✓sakhikendra61@gmail.com
  - ✓neelam.chaturvedi.2018@gmail.com
  - ✓info.sakhikendra@gmail.com

-: SPECIAL THANKS TO :-

- Christian Aid
- Misereor

SHOW YOUR SUPPORT!

DONATE and support us TODAY!

-Account Name-

Sakhi Kendra

-Account Number-

17450100004701

-IFSC Code-

UCBA0001745

THANK
YOU